A–357

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–604

नाटक एवं नाटिका भाग–01

MA SANSKRIT (MASL)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि शूद्रक रचित मृच्छकटिकम प्रकरण के अनुसार तात्कालीन सामाजिक व्यवस्था प्रकाश डालिए।

2. मृच्छकटिकम् के नायक चारुदत्त का चरित्र चित्रण विस्तारपूर्वक कीजिये।

3. निम्नलिखित श्लोक की ससंदर्भ प्रसंग एवं छन्द सहित विस्तृत व्याख्या कीजिये :

निवासश्चिन्तायाः परपरिभवो वैरमपरं

जुगुप्सा मित्राणां स्वजनजनविद्वेषकरणम्।

वनं गन्तुं बुद्धिर्भवति च कलत्रात्परिभवो

हृदिस्थः शोकाग्निर्न च दहति सन्तापयति॥

4. मृच्छकटिकम् में प्रयुक्त रस का विवेचन विस्तारपूर्वक करें।

5. शूद्रक वर्णित मृच्छकटिकम् के रचना विधान की समीक्षा विस्तारपूर्वक कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मृच्छकटिकम् का संक्षिप्त रचना विधान लिखिए।

2. मृच्छकटिकम् प्रकरण के मूल स्रोत पर प्रकाश डालें।

3. मृच्छकटिकम् की कथावस्तु की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

4. मृच्छकटिकम् के प्रतिनायक का चरित्र चित्रण कीजिये।

5. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिये :

सुखं हि दु:खान्यनुभूय शोभते
घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतं शरीरेण मृत: स जीवति॥

6. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिये :

कामं नीचमिदं वदन्तु पुरुषा: स्वप्ने च यद्वर्धते
विश्वस्तेषु च वञ्चनापरिभवश्चौर्य हि तत्।
स्वाधीना वाच्नीयातापि हि वरं बद्धो न सेवाञ्जिलि-
र्मार्गोह्येष नरेन्द्रसौप्तिकवधे पूर्वं कृतो द्रौणिना॥

7. मृच्छकटिकम् की नायिका की प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. मृच्छकटिकम् का संक्षिप्त कथासार लिखिए।

****